MPPSC

Madhya Pradesh Public Service Commission

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

(सामान्य अध्ययन - 4)

चतुर्थ प्रश्नपत्र

दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन

इकाई–1

दार्शनिक/विचारक, समाज सुधारकः– सुकरात, प्लेटो, अरस्तू, महावीर, बुद्ध, आचार्य शंकर, चार्वाक, गुरुनानक, कबीर, तुलसीदास, रवीन्द्रनाथ टैगोर, राजाराम मोहन राय, सावित्री बाई फुले, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविन्द एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन।

इकाई–2

- **मनोवृत्तिः–** विषयवस्तु, तत्व, प्रकार्य : मनोवृत्ति का निर्माण, मनोवृत्ति परिवर्तन, प्रबोधक संप्रेषण, पूर्वाग्रह तथा विभेद, भारतीय संदर्भ में रुढ़िवादिता ।
- अभिक्षमता एवं लोक सेवा हेतु आधारभूत योग्यताएँ, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं असमर्थकवादी, वस्तुनिष्ठता, लोक सेवा के प्रति समर्पण, समानुभूति, सहिष्णुता एवं कमजोर वर्गों के प्रति संवेदना/करुणा।
- **संवेगिक बुद्धिः–** अवधारणा, प्रशासन/शासन में इसकी उपयोगिता एवं अनुप्रयोग ।
- व्यक्तिगत भिन्नताएँ।

इकाई–3

मानवीय आवश्यकताएँ एवं अभिप्रेरणा :

लोक प्रशासन में नैतिक सद्गुण एवं मूल्यः– प्रशासन में नैतिक तत्व–सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता, नैतिक तर्क एवं नैतिक दुविधा तथा नैतिक मार्गदर्शन के रूप में अन्तरात्मा, लोक सेवकों हेतु आचरण संहिता, शासन में उच्च मूल्यों का पालन ।

इकाई–4

भ्रष्टाचारः– भ्रष्टाचार के प्रकार एवं कारण, भ्रष्टाचार का प्रभाव, भ्रष्टाचार को अल्पतम करने के उपाय, समाज, सूचनातंत्र, परिवार एवं व्हिसलब्लोअर (Whistleblower) की भूमिका, भ्रष्टाचार पर राष्ट्रसंघ की घोषणा, भ्रष्टाचार का मापन, ट्रांसपरेंसी इन्टरनेशनल, लोकपाल एवं लोकायुक्त।

इकाई–5

केस स्ट्डीजः– पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयवस्तु पर आधारित ।